CORDOVA® App 24X7 For Teachers Only

FREE SMART CLASS SOFTWARE WITH WEB SUPPORT
For Teachers Only

सुगम हिंदी व्याकरण

CORDOVA®

विषय-सूची (Contents)

विषय		पृष्ठ संख्या
1. भाषा और व्याकरण	(Language and Grammar)	5
2. वर्ण-विचार	(Phonology)	12
3. शब्द-रचना	(Word Formation)	19
4. वाक्य	(Sentence)	24
अभ्यास प्रश्न-पत्र		30
5. संज्ञा	(Noun)	31
6. संज्ञा के विकार	(Declension of Noun)	39
7. सर्वनाम	(Pronoun)	57
अभ्यास प्रश्न-पत्र		63
8. विशेषण	(Adjective)	64
9. क्रिया	(Verb)	71
विशेष गतिविधि– खेल-खेल में	(Fun Activity)	76
10. काल	(Tense)	78
11. अविकारी शब्द	(Indeclinable Words)	83
12. विराम-चिह्न	(Punctuation)	97
13. शब्द-भंडार	(Vocabulary)	102
14. मुहावरे और लोकोक्तियाँ	(Idioms and Proverbs)	118
अभ्यास प्रश्न-पत्र		125
15. संवाद-लेखन	(Dialogue Writing)	126
16. पत्र-लेखन	(Letter Writing)	129
17. निबंध-लेखन	(Essay Writing)	134
18. कहानी-लेखन	(Story Writing)	138
19. अपठित गद्यांश	(Unseen Passage)	142
परिभाषाएँ	(Definitions)	145
❑ **रचनात्मक गतिविधि–I-II**		146
❑ **अभ्यास प्रश्न-पत्र–I**		148
❑ **रचनात्मक गतिविधि–III-IV**		150
❑ **अभ्यास प्रश्न-पत्र–II**		151

Scanned with CamScanner

1 भाषा और व्याकरण (Language and Grammar)

पिछली कक्षाओं में आप भाषा के बारे में पढ़ते व जानते आ रहे हैं। आपके दिमाग़ में यह सवाल ज़रूर उठ रहा होगा कि भाषा की उत्पत्ति कैसे हुई? तो बच्चो, आइए भाषा की उत्पत्ति के बारे में कुछ जानें–

जब शुरू में मनुष्य के पास भाषा नहीं थी, वह भाषा के बारे में जानता नहीं था, तब वह इशारों से ही अपने विचारों को प्रकट करता था। फिर अपने विचारों को एक-दूसरे तक पहुँचाने के लिए कुछ आवाज़ें निश्चित वस्तुओं और कामों (कार्य) के लिए प्रयोग में लाई जाने लगीं। उसके बाद उसने पत्थरों और चट्टानों पर कुछ चिह्न बनाने शुरू कर दिए। इन्हीं चिह्नों और संकेतों से भाषा बनती चली गई।

आज समाज में भाषा का बहुत महत्त्व है। केवल मनुष्य ही भाषा के माध्यम से अपने विचारों का आदान-प्रदान कर सकता है। वैसे तो पशु-पक्षी भी अपनी आवाज़ में बातें करते हैं, लेकिन वे भाषा के माध्यम से अपने भावों का आदान-प्रदान करने में सक्षम नहीं हैं; जैसे– कुत्ते का भौंकना, चिड़िया का चहचहाना आदि। ये भाषा नहीं हैं। अगर ये भाषा नहीं हैं, तो फिर भाषा क्या है!

भाषा भावों तथा विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम है।

शिक्षक-सूत्र

भाषा और व्याकरण का हिंदी-लेखन और वाचन में अत्यधिक महत्त्व है। भाषा के बिना हमारा काम नहीं चल सकता। संकेत से दूसरा अर्थ भी निकल सकता है। अतः भाषा और व्याकरण की महत्ता को आस-पास के उदाहरणों से अच्छी तरह समझाएँ।

Scanned with CamScanner

जैसे–

देखा बच्चो, ऊपर की गई बातचीत में परी और मान्या **बोलकर** और **सुनकर** अपनी बातें एक-दूसरे को समझा रही हैं। यह भाषा का **मौखिक रूप** है।

घर पहुँचकर मान्या ने परी के जन्मदिन के लिए एक सुंदर-सा कार्ड बनाया और उस कार्ड पर छोटी-सी कविता भी **लिखी**। लिखी हुई कविता को **पढ़कर** परी बहुत खुश हुई और मान्या को धन्यवाद दिया।

यहाँ मान्या ने **लिखकर** और परी ने **पढ़कर** अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। यह भाषा का **लिखित रूप** है।

हम कह सकते हैं कि–

भाषा के दो रूप होते हैं– (1) मौखिक भाषा (2) लिखित भाषा

1. **मौखिक रूप–** बोलना और सुनना भाषा का मौखिक रूप है; जैसे– फ़ोन पर एक-दूसरे से बातें करना, गाना सुनना आदि।
2. **लिखित रूप–** लिखना और पढ़ना भाषा का लिखित रूप है; जैसे– पत्र लिखना, ई-मेल करना, अख़बार पढ़ना आदि।

हम **बोलकर** या **लिखकर** दूसरों को अपनी बात समझा सकते हैं तथा **सुनकर** या **पढ़कर** दूसरों की बात समझ सकते हैं। यही तो भाषा है।

Scanned with CamScanner

भाषा के कौशल– बोलना, सुनना, लिखना और पढ़ना। इन चारों को हम भाषा के **कौशल** कहते हैं। इनका प्रयोग भाषा के दोनों रूपों में होता है।

बोली (Dialect)

भाषा के जिस रूप को क्षेत्रीय स्तर पर बोला जाता है, उसे **बोली** कहते हैं; जैसे– उत्तर प्रदेश के क्षेत्र बुंदेलखंड में बोली जाने वाली बोली बुंदेलखंडी है। इसके अलावा भोजपुरी, मैथिली, छत्तीसगढ़ी तथा राजस्थानी बोलियाँ अपने-अपने क्षेत्रों में बोली जाती हैं।

बोली और भाषा में अंतर–

बोली किसी विशेष क्षेत्र तक सीमित होती है, जबकि भाषा बहुत बड़े स्तर पर बोली जाती है। बोली का साहित्य मौखिक तथा भाषा का साहित्य लिखित रूप में होता है।

अतः हम कह सकते हैं कि–

बोली भाषा का क्षेत्रीय रूप होती है।

भाषा का क्षेत्र–

पहले हमारे देश में अठारह भाषाओं को मान्यता मिली थी, लेकिन चार बोलियाँ 'बोडो, डोगरी, मैथिली तथा कोंकणी' को अब भाषा के रूप में मान लिया गया है। इस प्रकार अब भारत में बाईस (22) भाषाओं को मान्यता प्राप्त है।

मान्यता प्राप्त भाषाएँ– 1. हिंदी 2. संस्कृत 3. उर्दू 4. तेलुगू 5. ओडिया 6. असमी 7. तमिल 8. मराठी 9. नेपाली 10. पंजाबी 11. कोंकणी 12. सिंधी 13. मणिपुरी 14. बंगाली 15. मलयालम 16. कश्मीरी 17. कन्नड़ 18. बोडो 19. डोगरी 20. गुजराती 21. मैथिली 22. संथाली

जिस प्रकार भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं, उसी प्रकार विश्व भर में भी अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। सभी देशों की अपनी-अपनी विशेष भाषाएँ होती हैं।

कुछ देशों की विशेष भाषाओं के बारे में जानिए–

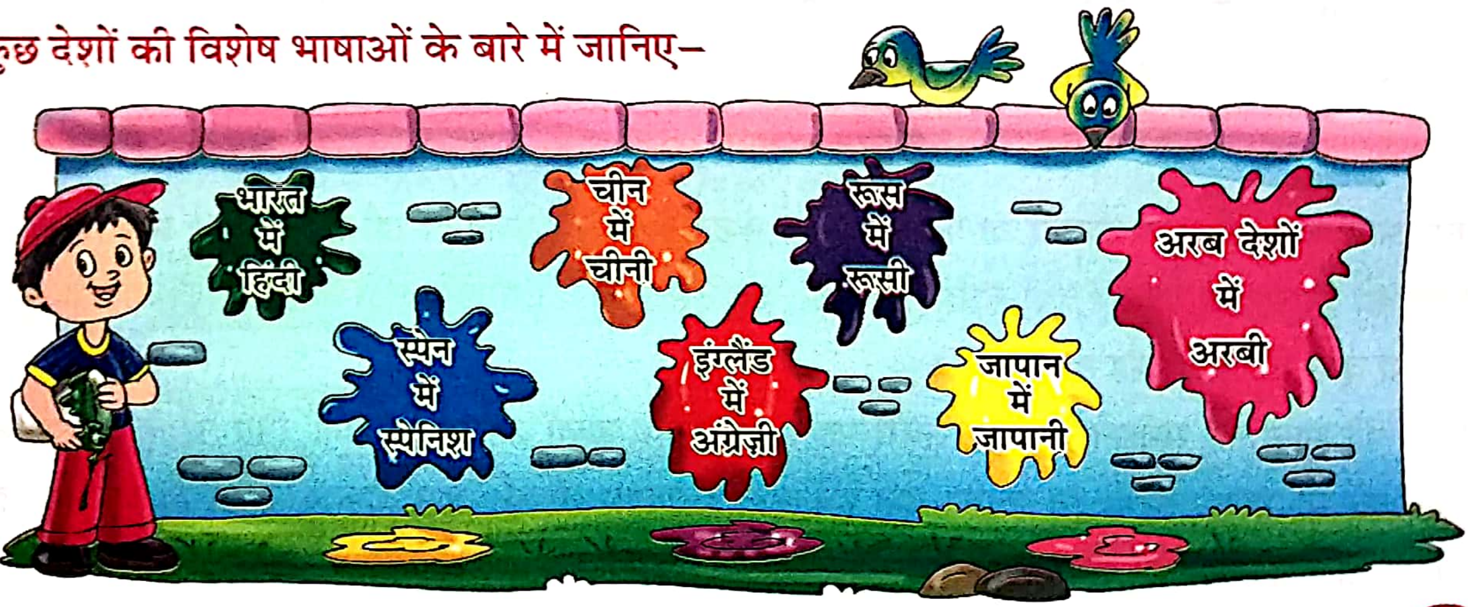

Scanned with CamScanner

लिपि (Script)

भाषा बोलते समय जो शब्द हमारे मुख से निकलते हैं, उनकी ध्वनियों को लिखने के लिए कुछ चिह्न निर्धारित होते हैं, इन्हें ही **लिपि** कहते हैं। यह भाषा को लिखने का एक ढंग होता है।

जैसे– यदि हमें **'विद्यालय'** शब्द लिखना हो, तो हम लिखेंगे–

हिंदी में – विद्यालय **अंग्रेज़ी में** – School

'विद्यालय' शब्द को हिंदी और अंग्रेज़ी में अलग-अलग तरह से लिखा गया है। लिखने की इस विधि को ही **लिपि** कहते हैं। अतः हम कह सकते हैं कि–

भाषा के लिखने के ढंग या विधि को लिपि कहते हैं।

प्रत्येक भाषा की अपनी एक लिपि होती है–

भाषा	लिपि	भाषा	लिपि
हिंदी	देवनागरी	उर्दू	फ़ारसी
संस्कृत	देवनागरी	बंगाली	बाँग्ला
अंग्रेज़ी	रोमन	जर्मन	रोमन
पंजाबी	गुरुमुखी	फ्रेंच	रोमन

विशेष

- 14 सितंबर, 1949 को भारतीय संविधान के अंतर्गत हिंदी भाषा को भारत संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था। इसलिए भारत में प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर का दिन 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। आज हम हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा मानते हैं।

व्याकरण (Grammar)

क्या आप कोई नई भाषा सुनकर या पढ़कर समझ सकते हैं कि क्या बात हो रही है? नहीं न! आप किसी नई भाषा को सुनकर या पढ़कर तभी समझ सकते हैं, जब उस भाषा को सीखेंगे। नहीं तो हमें सिर्फ़ आवाज़ें सुनाई देंगी या कुछ लिखा है, यह पता चलेगा।

किसी भी भाषा को समझने के लिए सबसे पहले हमें उसके शब्दों को जानना होगा, फिर उसके वाक्यों की रचना को भी जानना होगा। इन सबका ज्ञान हमें कौन कराएगा! जी हाँ! आप ठीक सोच रहे हैं। व्याकरण ही हमें इसका ज्ञान कराएगा। आइए जानें–

Scanned with CamScanner

नीचे कुछ उदाहरण दिए गए हैं, इन्हें पढ़िए और समझिए–

(1) बच्चे को खिलाओ छीलकर केला। (2) आशीर्वाद दादा जी ने दिया।

ऊपर दिए गए वाक्य पढ़ने में अजीब से लग रहे हैं, क्योंकि उनमें कुछ अशुद्धियाँ (गलतियाँ) हैं।

अशुद्धियों को दूर करके इन्हें दोबारा लिखते हैं–

(1) बच्चे को केला छीलकर खिलाओ। (2) दादा जी ने आशीर्वाद दिया।

अब यहाँ वाक्यों में सुधार करने से वाक्य का अर्थ भली-भाँति स्पष्ट हो रहा है।

भाषा के अपने कुछ नियम होते हैं। उन्हीं नियमों के अंतर्गत भाषा के पढ़ने-लिखने में होने वाली अशुद्धियों (गलतियों) को ठीक किया जाता है। भाषा के इन नियमों की जानकारी **व्याकरण** से मिलती है।

भाषा के शुद्ध रूप की जानकारी देने वाला शास्त्र ही व्याकरण कहलाता है।

आओ पाठ दोहराएँ

कौशल-पठन (उच्चारण, अबोध-भाषण)

- सभ्यता के साथ **भाषा** की भी उत्पत्ति हुई।
- भाषा के माध्यम से हम अपने भावों को बोलकर या लिखकर प्रकट करते हैं।
- भाषा के **मौखिक** और **लिखित** रूप होते हैं।
- भारत में अनेक प्रकार की भाषाएँ बोली जाती हैं।
- प्रत्येक देश की अपनी एक **भाषा** होती है।
- प्रत्येक भाषा की अपनी एक **लिपि** होती है।
- 14 सितंबर, 1949 को हिंदी भारत की **राजभाषा** बनी।
- भाषा के शुद्ध रूप की जानकारी **व्याकरण** से मिलती है।

अभ्यास

मौखिक

कौशल-बोलना (बोध, संवाद)

1. भाषा की उत्पत्ति कैसे हुई?
2. आप दुकान पर चॉकलेट, टॉफ़ी आदि चीज़ें खरीदने जाते हैं। तब आप भाषा के किस रूप का प्रयोग करके चीज़ें माँगते हैं?

Scanned with CamScanner

लिखित

1. **दिए गए वाक्यों में ✓ या ✗ का निशान लगाइए–**

(क) लिखना भाषा का मौखिक रूप है। ☐

(ख) लिपि भाषा को लिखने की एक विधि है। ☐

(ग) भोजपुरी क्षेत्रीय बोली कहलाती है। ☐

(घ) भाषा के शुद्ध रूप की जानकारी व्याकरण से मिलती है। ☐

2. **भाषाओं की सही लिपि पर ✓ का निशान लगाइए–**

भाषा		लिपि			
संस्कृत	–	देवनागरी	☐	रोमन	☐
पंजाबी	–	बाँग्ला	☐	गुरुमुखी	☐
अंग्रेज़ी	–	रोमन	☐	देवनागरी	☐

भाषा		लिपि			
उर्दू	–	फ़ारसी	☐	बाँग्ला	☐
जर्मन	–	रोमन	☐	फ़ारसी	☐
बंगाली	–	बाँग्ला	☐	गुरुमुखी	☐

3. **दिए गए वाक्यों को सही करके लिखिए–**

(क) हम आज ही दिल्ली जाऊँगा। ....

(ख) बकरी को काटकर गाजर खिला दो। ....

(ग) मेरे को तुम्हारे साथ जाना है। ....

(घ) वे लौट आया। ....

4. **प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) बोली और भाषा में अंतर बताइए।

....

(ख) व्याकरण किसे कहते हैं?

....

(ग) हमारे देश की राष्ट्रभाषा कौन-सी है?

....

(घ) हिंदी दिवस कब मनाया जाता है?

....

Scanned with CamScanner

5. जब तक हम शब्दों को ठीक जगह पर नहीं रखते, तब तक हमें कुछ समझ में नहीं आता है। अब आप बताइए, अगर हम अपने कमरे में सभी चीज़ें इधर-उधर फेंककर रखेंगे, तो क्या होगा?

मूल्यपरक प्रश्न

....

....

गतिविधि

रचनात्मक-लेखन (विचार, भाव, लिखावट)

- नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर वर्ग-पहेली में से ढूँढ़कर लिखिए–

दे	दी	व्या	क	र	ण	टा	मौ
व	हिं	दी	क	बँ	मा	स	खि
ना	दो	ख	खी	ना	ग्ला	भा	क
ग	ज	मु	न	का	षा	ली	भा
री	रु	म	लि	खि	त	भा	षा
गु	रो	भा	पि	षा	अं	ग्रे	जी

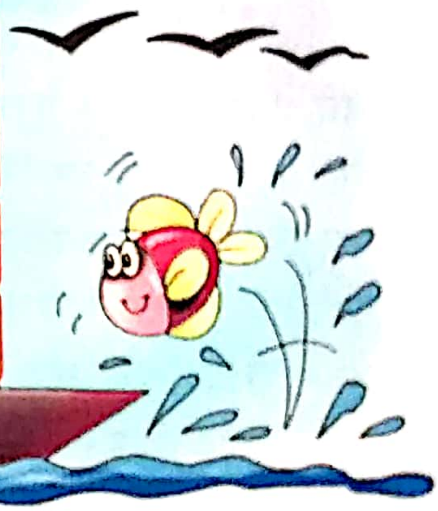

1. भाषा के कितने रूप हैं– ....
2. भारत की राष्ट्रभाषा है–..........................
3. भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराता है– ....
4. अपने विचारों और भावों को प्रकट करने का साधन है – ....
5. लिखने के ढंग को क्या कहते है– ....
6. पंजाबी भाषा की लिपि– ....
7. अंग्रेज़ी भाषा की लिपि– ....
8. अंतर्राष्ट्रीय भाषा है– ....
9. लिखना और पढ़ना भाषा का रूप है– ....
10. बोलना और सुनना भाषा का रूप है– ....
11. बंगाली भाषा की लिपि– ....
12. संस्कृत भाषा की लिपि– ....

Scanned with CamScanner

2 वर्ण-विचार (Phonology)

हम जो कुछ भी बोलते हैं, उन ध्वनियों के लिखने के लिए कुछ चिह्न निश्चित किए गए हैं। ये चिह्न **वर्ण** कहलाते हैं।

ध्यान दीजिए–

गुलाब

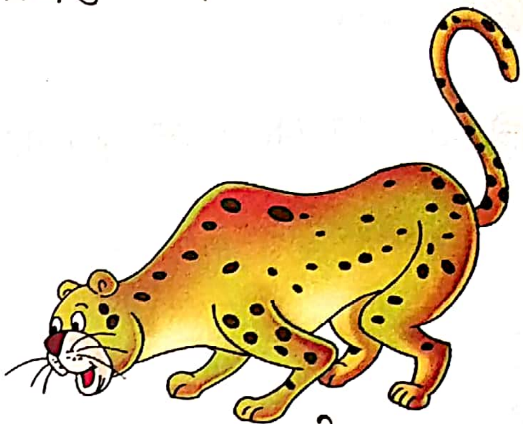

चीता

जैसे ही हम गुलाब के फूल को देखते हैं, वैसे ही हम उसे 'गुलाब' कह उठते हैं और जैसे ही हमने चीता को देखा, तो उसे उसके नाम 'चीता' से पुकार उठते हैं।

क्या हम गुलाब को कमल या चीता को हाथी कह सकते हैं?

नहीं, क्योंकि प्रत्येक भाषा का अपना एक अर्थ होता है जो कुछ संकेत या चिह्नों के माध्यम से प्रकट होता है।

जैसे– 'गुलाब' और 'चीता' कुछ संकेत-चिह्नों से बने हैं, जिसका पता हमें उनके टुकड़े करके चलता है–

गुलाब – गु + ला + ब

चीता – ची + ता

यदि हम इनके और टुकड़े करें–

गुलाब – ग् + उ + ल् + आ + ब् + अ

चीता – च् + ई + त् + आ

अब इनसे अधिक इनके टुकड़े नहीं किए जा सकते, इन्हीं को **वर्ण** कहते हैं।

अतः हम कह सकते हैं कि–

भाषा की सबसे छोटी इकाई, जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते, वर्ण कहलाती है।

शिक्षक-सूत्र हिंदी में बोलने की दृष्टि से ऋ स्वर नहीं है, लेकिन लिखने की दृष्टि से स्वर है। क्योंकि सभी स्वरों की तरह 'ऋ' का भी मात्रा-चिह्न होता है। विद्यार्थियों को अक्षर अर्थात वर्ण के महत्त्व को समझाएँ।

Scanned with CamScanner

हिंदी की वर्णमाला

स्वर

अ आ इ ई उ ऊ

ऋ ए ऐ ओ औ

व्यंजन

क वर्ग –	क	ख	ग	घ	ङ
च वर्ग –	च	छ	ज	झ	ञ
ट वर्ग –	ट	ठ	ड	ढ	ण
त वर्ग –	त	थ	द	ध	न
प वर्ग –	प	फ	ब	भ	म
अंत:स्थ –	य	र	ल	व	
ऊष्म –	श	ष	स	ह	

पंचम वर्ण (ङ, ञ, ण, न, म)

वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं।

वर्णमाला को अंग्रेज़ी में Alphabet कहते हैं। अंग्रेज़ी की Alphabet में A से Z तक 26 वर्ण होते हैं। हिंदी की वर्णमाला में अ से ह तक 44 वर्ण होते हैं।

अन्य वर्ण–

अं और अ: ये न तो स्वर हैं और न व्यंजन। इन्हें अयोगवाह (After sound) कहते हैं।

ऑ, ज़, फ़ आगत ध्वनियाँ हैं।

विशेष

- 'ड़' और 'ढ़' को भी व्यंजन के रूप में अपनाया गया है। इनसे किसी शब्द की शुरुआत नहीं होती है; जैसे–सड़क, पढ़ाई आदि।

Scanned with CamScanner

वर्ण के भेद

वर्ण के दो भेद होते हैं– 1. स्वर 2. व्यंजन

1. **स्वर–** स्वरों का उच्चारण बिना किसी की सहायता से किया जाता है। स्वरों को बोलते समय हवा बिना किसी रुकावट के मुख से बाहर निकलती है।
स्वरों की संख्या ग्यारह (11) होती है– **अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।**

स्वर के तीन भेद होते हैं–

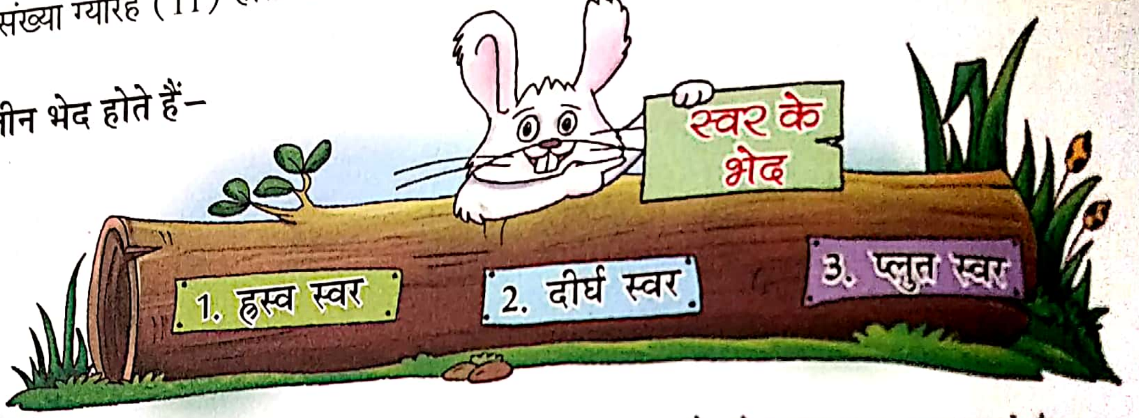

1. **ह्रस्व स्वर–** जिन स्वरों के उच्चारण में सबसे कम समय लगता है, वे **ह्रस्व स्वर** कहलाते हैं।
ह्रस्व स्वर चार होते हैं- **अ, इ, उ, ऋ।**
2. **दीर्घ स्वर–** जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वर से दोगुना समय लगता है, वे **दीर्घ स्वर** कहलाते हैं।
दीर्घ स्वर सात होते हैं- **आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।**
3. **प्लुत स्वर–** जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वर से तिगुना समय लगता है, वे **प्लुत स्वर** कहलाते हैं;
जैसे- ओऽम् में ओऽ। यह केवल एक होता है।

स्वरों की मात्राएँ

'अ' के अलावा सभी स्वरों की मात्राएँ होती हैं। व्यंजनों के साथ लगने पर स्वर मात्रा का रूप ले लेते हैं। हम कह सकते हैं कि–

स्वरों के लिए निर्धारित चिह्न मात्राएँ कहलाती हैं।

क्र० स०	स्वर	मात्रा	व्यंजन के साथ मात्रा	मात्रा का प्रयोग	मूल रूप
1.	अ	–	क् + अ = क	कलम	अनार
2.	आ	ा	क् + आ = का	कागज़	आराम
3.	इ	ि	क् + इ = कि	किला	इमली
4.	ई	ी	क् + ई = की	कील	ईख
5.	उ	ु	क् + उ = कु	कुसुम	उल्लू

Scanned with CamScanner

6.	ऊ	ू	क् + ऊ = कू	कूल	ऊन
7.	ऋ	ृ	क् + ऋ = कृ	कृषक	ऋषि
8.	ए	े	क् + ए = के	केला	एड़ी
9.	ऐ	ै	क् + ऐ = कै	कैलाश	ऐनक
10.	ओ	ो	क् + ओ = को	कोना	ओखली
11.	औ	ौ	क् + औ = कौ	कौआ	औरत

अन्य चिह्न

अनुस्वार (ं)– इसका उच्चारण नाक से होता है। इसका प्रयोग पंचम वर्ण (ङ, ञ, ण, न, म) की जगह पर किया जाता है; जैसे–शंकर (शङ्कर), चंचल (चञ्चल), ठंडा (ठण्डा), बंदर (बन्दर), संबंध (सम्बन्ध) आदि।

अनुनासिक/चंद्रबिंदु (ँ)– इसका उच्चारण नाक और गले दोनों से होता है; जैसे– आँख, चाँद आदि।

विसर्ग (:)– इसका उच्चारण 'ह' की तरह होता है; जैसे– पुनः, अतः, प्रायः आदि।

आगत (ॅ)– इसका उच्चारण 'आ' तथा 'ओ' के मध्य की ध्वनि **ऑ** के रूप में होता है। इसका प्रयोग अंग्रेज़ी से हिंदी में आए अनेक शब्दों में होता है; जैसे– कॉलेज़, डॉक्टर आदि।

2. **व्यंजन**– व्यंजन का उच्चारण करते समय स्वर की सहायता लेनी पड़ती है।

व्यंजन तैंतीस (33) होते हैं–

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	
श	ष	स	ह	

संयुक्त व्यंजन– एक से अधिक व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन को **संयुक्त व्यंजन** कहते हैं; जैसे–

क् + ष = क्ष – कक्षा, क्षमा   त् + र = त्र – त्रिकोण, त्रिशूल

ज् + ञ = ज्ञ – ज्ञानी, विज्ञान   श् + र = श्र – श्रम, श्रमिक

क्ष, त्र, ज्ञ, श्र, ये चार संयुक्त व्यंजन होते हैं।

द्वित्व व्यंजन– एक जैसे व्यंजनों से मिलकर बने व्यंजनों को **द्वित्व व्यंजन** कहते हैं; जैसे–

क् + क = क्क – पक्का   च् + च = च्च – कच्चा   ट् + ट = ट्ट – छुट्टी

Scanned with CamScanner

संयुक्ताक्षर– जब स्वर रहित व्यंजन का अपने से अलग स्वर सहित व्यंजन से मेल होता है, तब वह **संयुक्ताक्षर** कहलाता है; जैसे– द् + य = द्य – विद्या स् + त= स्त – अस्त।

'र' का प्रयोग

1. जब 'र' स्वर के बिना किसी व्यंजन से पहले हो, तो 'र' व्यंजन के ऊपर लिखा जाता है।
   जैसे– क + र् + म = कर्म व + र् + षा = वर्षा
2. जब 'र' किसी अन्य स्वर रहित व्यंजन के साथ उच्चारित होता है, तो इस प्रकार प्रयोग होता है–
   क् + र + म = क्रम भ् + र + म = भ्रम
3. 'ट' व 'ड' के साथ 'र' का प्रयोग इस प्रकार होता है–
   ट् + र + क = ट्रक ड् + र + म = ड्रम
4. 'ऋ' की मात्रा का उच्चारण 'रि' की तरह होता है। 'ऋ' की मात्रा व्यंजन के पैर में लगती है।
   जैसे– गृह, मृग आदि।

वर्ण-विच्छेद

विच्छेद का अर्थ– अलग करना। किसी शब्द के वर्णों को अलग करना ही **वर्ण-विच्छेद** कहलाता है।
जैसे– **नीला**– न् + ई + ल् + आ, **ड्रम** – ड् + र् + अ + म् + अ, **विद्या**– व् + इ + द् + य् + आ

कौशल-पठन (उच्चारण, अबोध-भाषण)

आओ पाठ दोहराएँ

- भाषा की सबसे छोटी इकाई **वर्ण** है।
- वर्णों के समूह से **वर्णमाला** बनती है।
- हिंदी में कुल ग्यारह (11) स्वर होते हैं। उनमें अ, इ, उ, ऋ ह्रस्व स्वर और आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ दीर्घ स्वर हैं।
- हिंदी में तैंतीस (33) व्यंजन होते हैं।
- ड़, ढ़, अं, अः अन्य व्यंजन माने जाते हैं। ऑ, ज़, फ़ आगत ध्वनियाँ हैं।
- दो अलग-अलग व्यंजनों के मेल से संयुक्त व्यंजन बनते हैं।
- हिंदी में 'र' के विभिन्न रूप प्रचलित हैं।
- वर्णों को अलग-अलग करना **वर्ण-विच्छेद** कहलाता है।

अभ्यास

मौखिक

कौशल-बोलना (बोध, संवाद)

1. हिंदी और अंग्रेज़ी में कितने-कितने वर्ण होते हैं?
2. ह्रस्व स्वर कौन-कौन-से हैं?

Scanned with CamScanner

1. दिए गए वाक्यों में ✓ या ✗ का निशान लगाइए–

(क) मात्राओं का प्रयोग स्वरों के साथ होता है। ☐

(ख) दीर्घ स्वर सात होते हैं। ☐

(ग) व्यंजन का उच्चारण बिना किसी की सहायता से होता है। ☐

(घ) अं, अः पंचम वर्ण माने जाते हैं। ☐

(ङ) 'अं' को अनुस्वार कहते हैं। ☐

2. उचित उत्तर में ✓ का निशान लगाइए –

(क) स्वर के कितने भेद होते हैं?

तीन ☐ चार ☐ पाँच ☐

(ख) 'अं' तथा 'अः' क्या कहलाते हैं?

स्वर ☐ व्यंजन ☐ अयोगवाह ☐

(ग) दीर्घ स्वर की संख्या कितनी होती है?

पाँच ☐ सात ☐ दस ☐

3. दिए गए शब्दों में अनुस्वार (ं) या अनुनासिक (ँ) का प्रयोग करके दोबारा लिखिए–

कघा – .... चाद – .... मुह – .... हिदी – ....

ठडा – .... कगारू – .... आख – .... दात – ....

4. दिए गए संयुक्त व्यंजनों को अलग करके उनके दो-दो उदाहरण लिखिए–

(क) क्ष = क् + ... – ....

(ख) त्र = त् + ... – ....

(ग) ज्ञ = ज् + ... – ....

(घ) श्र = श् + ... – ....

5. दिए गए शब्दों के वर्ण-विच्छेद कीजिए–

ट्रक – .... चश्मा – ....

प्रणाम – .... जानवर – ....

Scanned with CamScanner

6. नीचे संयुक्त और द्‌वित्व व्यंजन वाले शब्द मिल गए हैं। आप उन्हें अलग-अलग करके उनकी जगह पर लिखिए–

मक्का, अन्न, अज्ञान, शिक्षा, पत्ता, पट्‌टियाँ, त्रिशूल, श्रमिक, कक्षा, कच्चा

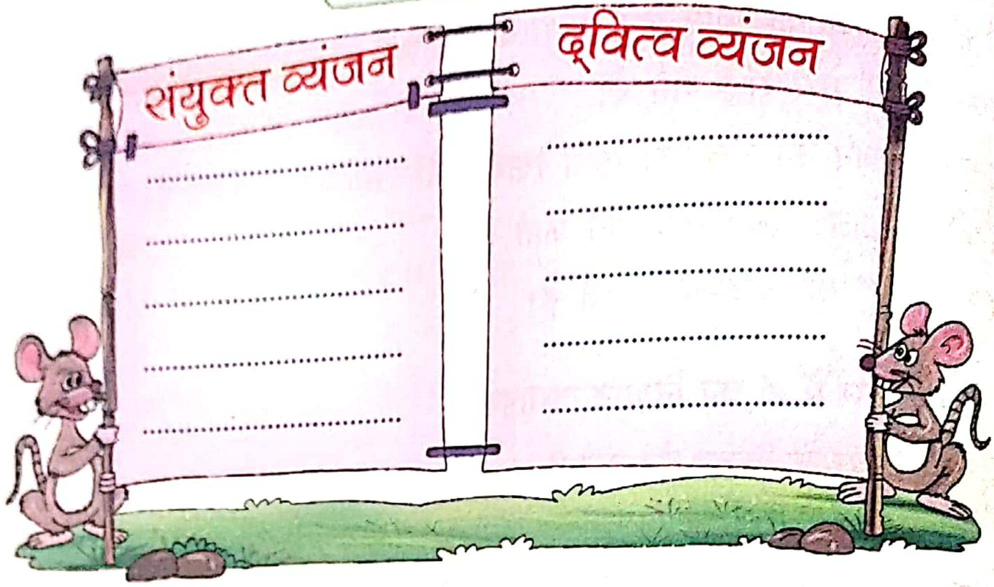

7. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) स्वर किसे कहते हैं?

....

....

(ख) ह्रस्व और दीर्घ स्वर में क्या अंतर है?

....

....

8. वर्णों के समूह से वर्णमाला बनती है और समूह में बहुत ताकत होती है। अब आप बताइए कि आप अपनी ताकत को बढ़ाने के लिए क्या करेंगे? **मूल्यपरक प्रश्न**

....

....

गतिविधि

रचनात्मक-लेखन (विचार, भाव, लिखावट)

- आप अपनी एक कॉपी में रोज़ कोई पाँच-पाँच कठिन शब्द उनके अर्थ सहित लिखिए। सहायता के लिए हिंदी शब्दकोश की मदद ले सकते हैं। इस तरह आपका अपना एक शब्दकोश तैयार हो जाएगा।

Scanned with CamScanner

3 शब्द-रचना (Word Formation)

देखिए, पढ़िए और समझिए–

बरतन

खिलौने

ऊपर दिए गए चित्रों से हमें पता चलता है कि–

पहले चित्र में बरतन हैं।
दूसरे चित्र में खिलौने हैं।
'बरतन' और 'खिलौने' शब्द का वर्ण-विच्छेद देखिए–
बरतन = ब् + अ + र् + अ + त् + अ + न् + अ
खिलौने = ख् + इ + ल् + औ + न् + ए
यदि इनके वर्णों को इधर-उधर कर दें तो–
तनरब = त् + अ + न् + अ + र् + अ + ब् + अ
लौखिने = ल् + औ + ख् + इ + न् + ए
वर्णों को इधर-उधर करने से बरतन की जगह तनरब और खिलौने की जगह लौखिने हो गया।
'बरतन' और 'खिलौने' का कोई अर्थ होता है, इसलिए ये शब्द हैं।
'तनरब' और 'लौखिने' का कोई अर्थ नहीं होता, इसलिए ये शब्द नहीं हैं।
सही वर्णों के योग से ही सार्थक शब्द बनता है। अतः हम कह सकते हैं कि–

वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।

शिक्षक-सूत्र प्रत्येक व्यक्ति, वस्तु, स्थान और भाव का नाम और अर्थ होता है। शब्द उसे नाम और अर्थ देता है। हिंदी की शब्द परंपरा की अच्छी जानकारी विद्यार्थियों को दें।

Scanned with CamScanner

शब्दों के भेद

शब्दों को तीन आधार पर बाँटा गया है–

1. उत्पत्ति (स्रोत) के आधार पर 2. प्रयोग के आधार पर 3. बनावट के आधार पर

1. उत्पत्ति (स्रोत) के आधार पर शब्द चार प्रकार के होते हैं–

(क) तत्सम (ख) तद्भव (ग) देशज (घ) विदेशी (आगत)

(क) **तत्सम–** जो शब्द संस्कृत भाषा से हिंदी भाषा में ज्यों-के-त्यों (रूप नहीं बदलता) प्रयोग में आते हैं, वे **तत्सम शब्द** कहलाते हैं; जैसे– दधि, क्षेत्र, सत्य, ग्राम आदि।

(ख) **तद्भव–** संस्कृत के ऐसे शब्द जो कुछ रूप बदलकर हिंदी में प्रयोग किए जाते हैं, वे **तद्भव शब्द** कहलाते हैं; जैसे– दही, खेत, सच, गाँव आदि।

तत्सम-तद्भव शब्द के कुछ अन्य उदाहरण–

तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव
रात्रि	रात	हस्त	हाथ	चंद्र	चाँद
अग्नि	आग	सर्प	साँप	कर्ण	कान
दुग्ध	दूध	कार्य	काम	आम्र	आम
प्रथम	पहला	स्वर्ण	सोना	दंत	दाँत

(ग) **देशज शब्द–** 'देशज' का अर्थ है– देश में उत्पन्न। जो शब्द भारत के विभिन्न क्षेत्रों से (आम बोलचाल की भाषा से) लिए गए हैं, उन्हें **देशज शब्द** कहते हैं; जैसे– पगड़ी, खिचड़ी, जूता आदि।

(घ) **विदेशी (आगत) शब्द–** जो शब्द दूसरे देशों की भाषाओं से हिंदी में आए हैं, वे **विदेशी शब्द** कहलाते हैं; जैसे– स्कूल, रूमाल, अलमारी, आलपीन आदि।

2. प्रयोग के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं–

(क) विकारी शब्द (ख) अविकारी शब्द

(क) **विकारी शब्द–** लिंग, वचन और काल के कारण जिन शब्दों में परिवर्तन आ जाता है, वे **विकारी शब्द** कहलाते हैं। संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण ये विकारी शब्द हैं।

(ख) **अविकारी शब्द–** जिन शब्दों में किसी भी स्थिति में कोई भी बदलाव नहीं आता है, वे **अविकारी शब्द** कहलाते हैं। क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक तथा विस्मयादिबोधक ये अविकारी शब्द होते हैं। इन्हें **अव्यय** भी कहते हैं।

3. बनावट के आधार पर शब्द तीन प्रकार के होते हैं–

(क) रूढ़ शब्द (ख) यौगिक शब्द (ग) योगरूढ़ शब्द

(क) **रूढ़ शब्द–** वे शब्द जिनके टुकड़े नहीं किए जा सकते। अगर टुकड़े किए जाएँगे, तो उनका कोई अर्थ नहीं निकलेगा, वे शब्द **रूढ़ शब्द** कहलाते हैं; जैसे– चीता, रवि, गिलास आदि।

Scanned with CamScanner

(ख) यौगिक शब्द– दो शब्दों के योग (मेल) से बनने वाले सार्थक शब्द **यौगिक शब्द** कहलाते हैं। यदि इन शब्दों के टुकड़े किए जाएँ, तो वे खंड भी सार्थक होते हैं।

जैसे– पुस्तकालय = पुस्तक (किताब) + आलय (घर)   स्नानघर = स्नान (नहाना) + घर (गृह)

(ग) योगरूढ़ शब्द– जो शब्द दो या दो से अधिक शब्दों के योग से बनते हैं और किसी विशेष अर्थ को प्रकट करते हैं, वे **योगरूढ़ शब्द** कहलाते हैं।

जैसे– लंबोदर = लंबा + उदर (लंबे उदर वाला अर्थात गणेश)

दशानन = दश + आनन (दस आनन वाला अर्थात रावण)

आओ पाठ दोहराएँ

कौशल-पठन (उच्चारण, अबोध-भाषण)

- वर्णों के सही क्रम को **शब्द** कहते हैं।
- शब्दों को तीन आधार पर बाँटा गया है–
  1. उत्पत्ति के आधार पर   2. प्रयोग के आधार पर   3. बनावट के आधार पर

  1. उत्पत्ति के आधार पर शब्द के भेद– (क) तत्सम (ख) तद्भव (ग) देशज (घ) विदेशी
  2. प्रयोग के आधार पर शब्द के भेद– (क) विकारी शब्द (ख) अविकारी शब्द
  3. बनावट के आधार पर शब्द के भेद– (क) रूढ़ शब्द (ख) यौगिक शब्द (ग) योगरूढ़ शब्द
- लिंग, वचन और काल के कारण जिसमें परिवर्तन होता है, वे **विकारी शब्द** होते हैं।
- जिन शब्दों में किसी भी स्थिति में कोई परिवर्तन न हो, वे **अविकारी शब्द** होते हैं।

अभ्यास

मौखिक

कौशल-बोलना (बोध, संवाद)

1. विदेशी शब्द किसे कहते हैं?
2. रूढ़ शब्द के उदाहरण बताइए।

लिखित

कौशल-लेखन (व्याकरण, शब्दावली, लिखावट)

1. **दिए गए सार्थक और निरर्थक शब्दों को अलग-अलग करके लिखिए–**

पुस्तक   मीजक   रूमाल   पेन   कदूबं   सीकुर   नफो   अच्छा   नीपाजा   दूध

सार्थक शब्द – ....

निरर्थक शब्द – ....

Scanned with CamScanner

2. **दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए–**

(क) उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के कितने भेद हैं?

दो ☐ तीन ☐ चार ☐

(ख) यौगिक शब्द कैसे बनते हैं?

दो शब्दों के योग से ☐ दो वर्णों के योग से ☐ दो स्वरों के योग से ☐

(ग) 'प्रथम' शब्द का कौन-सा रूप है?

तत्सम ☐ तद्भव ☐ विदेशी ☐

3. **दिए गए शब्दों में से रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्द अलग-अलग करके लिखिए–**

काम घर हाथी पंकज नीलकंठ मेज़ नीलकमल पंखा रसोईघर दशानन

रूढ़ शब्द – ....

यौगिक शब्द – ....

योगरूढ़ शब्द – ....

4. **दिए गए तत्सम शब्दों के तद्भव रूप लिखिए–**

प्रथम – .... कर्म – .... हस्त – ....

कर्ण – .... घृत – .... अग्नि – ....

5. **प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) शब्दों के भेद लिखिए।

....

....

(ख) विकारी और अविकारी शब्द में क्या अंतर है?

....

....

(ग) बनावट के आधार पर शब्दों के प्रकार लिखिए।

....

....

Scanned with CamScanner

आइए, हम सब मिलकर एक सुंदर-सा बतख बनाएँ–

बतख बनाने के लिए गीली चिकनी मिट्टी लीजिए।

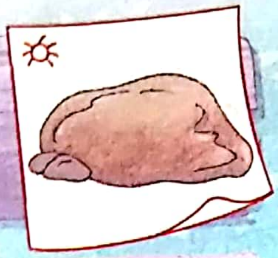

अब इस मिट्टी को चार हिस्सों में बाँटिए– एक बड़ा-सा और तीन बराबर छोटे-छोटे।

मिट्टी के एक छोटे हिस्से को दोनों हाथों से अंडे के आकार में बनाएँ– यह है बतख का सिर।

बचे मिट्टी के दो छोटे हिस्सों को पंखों का आकार दें।

मिट्टी के बड़े भाग से बतख का शेष शरीर निर्माण करें अर्थात बतख के बीच वाला हिस्सा बनाएँ।

शरीर का पिछला हिस्सा ऊपर की ओर उठाएँ और थोड़ा चपटा करें– यह है बतख की पूँछ।

अब चारों भागों को जोड़कर सिर पर सामने की ओर चोंच की आकृति बनाएँ– उसके बाद गीले हाथों से सभी भागों को चिकना करें।

अब इस तैयार बतख को रंग-बिरंगे रंगों से सजाइए।

Scanned with CamScanner